***Date*:** 18-08-2021
***Publication*:** Hari Bhoomi
***Edition*:** Bilaspur

खदान का निरीक्षण करते एसईसीएल के अधिकारी।

कोल इंडिया के चेयरमैन एसईसीएल के दौरे पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल एसईसएल के दौरे पर पहुंचे। जहां उन्होंने मेगा परियोजना - दीपका, गेवरा एवं कुसमुंडा का निरीक्षण। चेयरमैन, सीआईएल सर्वप्रथम दीपका माईन पहुंचे जहां माईन प्लान के ज़रिए, योजना एवं संचालन की जानकारी ली। दीपका क्षेत्र में साइलों से वैगन लोडिंग का अवलोकन किया गया।

गेवरा क्षेत्र में संचालन गतिविधियों का मुआयना किया गया तथा शीर्ष प्रबंधन के साथ टीम उत्पादन फ़ेस तक पहुंची। तत्पश्चात कुसमुंडा क्षेत्र में सीएचपी-2 के अंतर्गत साइलो-1 का उद्घाटन चेयरमैन सीआईएल के करकमलों से किया गया। एसईसीएल की सबसे बड़ी विभागीय माईन कुसमुंडा के उत्पादन गतिविधियों को स्वयं देखने टीम फ़ेस तक पहुंची। खदान के अवलोकन के उपरांत गेवरा हाउस में एसईसीएल के क्षेत्रीय महाप्रबंधकों के साथ बैठक की गई। वित्तीय वर्ष मे एसईसीएल उत्पादन 172 मिलियन टन, डिस्पैच 196 एमटी तथा ओबी 250 क्यूबिक मिलि

***Date*:** 18-08-2021
***Publication*:** Nai Duniya
***Edition*:** Bilaspur

खदान में उतरे चेयरमैन, उत्पादन बढ़ाने मंथन

कोरबा/ बिलासपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल (आइपीएस) ने मंगलवार को गेवरा, दीपका व कुसमुंडा मेगा परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खदान क्षेत्र में व्यू पाइंट पर अधिकारियों से चर्चा कर उत्पादन की समीक्षा की और अधिकारियों से आगामी कार्ययोजना के संबंध में चर्चा की। खदान में नीचे उतर उत्पादन की गतिविधि का भी जायजा लेते हुआ आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिए।

सीआइएल चेयरमैन सोमवार की देर रात रायपुर पहुंचे और मंगलवार को सड़क मार्ग से पहले साउथ इस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) बिलासपुर मुख्यालय पहुंचे। अल्प विश्राम के बाद कोरबा के लिए रवाना हुए। दोपहर 12 बजे गेवरा हाउस पहुंचे, वहां से सर्वप्रथम दीपका खदान का जायजा लेने रवाना हो गए। वहां खदान निरीक्षण के साथ ही माइंस प्लान के जरिए, योजना व संचालन की जानकारी ली। व्यू पाइंट से महाप्रबंधक रंजन पी शाह ने नक्शे के माध्यम से खदान के संबंध में पूरी जानकारी चेयरमैन को दी। कोयला डिस्पैच की स्थिति का जायजा लेने दीपका क्षेत्र में साइलों से वैगन लोडिंग का अवलोकन किया। इस दौरान महाप्रबंधक शाह ने आश्वस्त किया कि मार्च तक निर्धारित उत्पादन लक्ष्य पूरा कर लेंगे। दीपका से लौटने के बाद चेयरमैन अग्रवाल अधिकारियों के साथ गेवरा परियोजना पहुंच कर खदान का निरीक्षण किया। इसके साथ ही खदान के नीचे उतर कर मुआयना किया।

कोरबा। खदान के नीचे उतर प्रत्यक्ष रूप से उत्पादन गतिविधि से रूबरू होते अधिकारी ● नईदुनिया

172 एमटी उत्पादन तो 196 एमडी डिस्पैच का लक्ष्य

एसईसीएल को वर्तमान वित्तीय वर्ष मे 172 मिलियन टन कोयला उत्पादन व 196 मिलियन टन डिस्पैच का लक्ष्य दिया गया है। इसमें गेवरा से 45, कुसमुंडा 43 व दीपका परियोजना 35 एमटी की महत्वपूर्ण भागीदारी है। यही वजह है कि कोल इंडिया चेयरमैन की नजर इन तीनों मेगा परियोजना पर टिकी हुई है। उनकी कोशिश है कि तीनों परियोजना अपना निर्धारित लक्ष्य समयावधि में पूरा करे। इसलिए अधिकारियों को उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रहे है। इसके साथ ही चालू वित्तीय वर्ष में मिट्टी निकासी (ओवहरबर्डन) 250 क्यूबिक मिलियन मीटर किया जाना है।

सीएचपी साइलो फेस टू का किया उद्घाटन

कोल इंडिया चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र मे कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) फेस दो का उद्घाटन किया। इसके साथ ही कुसमुंडा क्षेत्र में चार साइलो से कोयला लदान शुरू हो जाएगा और अधिकाश मालगाड़ी के रैक मे इनके माध्यम से कोयला लोड किया जाएगा। रोड सेल से नाममात्र कोयला डिस्पैच होगा। इसके पहले दो साइलो का लोकार्पण एसईसीएल के सीएमडी एपी पंडा ने किया था। चारों साइलो चालू होने से कोयला लदान की क्षमता मे भी इजाफा होगा।

विभागाध्यक्ष से करेंगे उत्पादन बढ़ाने पर चर्चा

सीआईएल चेयरमैन बुधवार को सुबह एसईसीएल के सभी परियोजना मे पदस्थ द्वितीय क्रम के अधिकारियों व सभी विभाग प्रमुख के साथ प्रत्यक्ष व वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक करेंगे। इस दौरान इन अधिकारियों से चर्चा कर राय ली जाएगी कि आखिर कोयला उत्पादन किस ढंग से बढ़ाया जाए। इसके लिए क्या कारगार योजना है, इस बैठक में महाप्रबंधक भी शामिल होंगे। इसके साथ ही चेयरमैन कोयला उत्पादन के साथ ही डिस्पैच बढ़ाने पर जोर देने के लिए अधिकारियों को टिप्स भी देंगे।

***Date*:** 21-08-2021
***Publication*:** The Hitavada
***Edition*:** Jabalpur

Coal India's capex growth zooms to Rs 1,840 cr in Q1

NEW DELHI, Aug 20 (PTI)

STATE-OWNED CIL on Friday said its capital expenditure jumped more than twofold to Rs 1,840 crore in the first quarter of 2021-22 compared to Rs 844 crore in the year-ago quarter.

Coal India Limited in a statement said the capital expenditure rose twofold in the first quarter of FY22 as it continues to step up investments in evacuation infrastructure, land acquisition and procurement of heavy equipment.

CIL has achieved 94 per cent of the progressive target of Rs 1,960 crore, set for April-June quarter of the ongoing fiscal.

Underscoring the intent on strengthening evacuation infrastructure like setting up rail sidings and corridors, coal handling plants, (CHP), silos and haul roads CIL's capex has risen to Rs 504 crore on this account, the second highest among all capex heads. This is a quantum leap of 109 per cent over the first quarter of FY21 when the capex spend on these infra projects was Rs 241 crore.

"Our focus is to have a seamless coal evacuation process in future when production increases. We are gearing ahead for that. CHP/Silo loading will save us considerable expenses apart from having environment benefits," the company said.

"Rail sidings and lines are being dovetailed with CHPs and silos," he added.

CIL's aims to move around 415 MT of coal through mechanised means through 35 first mile connectivity projects by FY'24.

***Date*:** 21-08-2021
***Publication*:** Hindustan Times
***Edition*:** Patna
Hindustan Times

CIL's capex growth zooms twofold to ₹1,840 cr in Jun qtr

Press Trust of India
feedback@livemint.com

NEW DELHI: State-owned Coal India Ltd (CIL) on Friday said its capital expenditure jumped more than twofold to ₹1,840 crore in the first quarter of 2021-22 compared to ₹844 crore in the year-ago quarter.

Coal India in a statement said the capital expenditure rose twofold in the first quarter of FY22 as it continues to step up investments in evacuation infrastructure, land acquisition and procurement of heavy equipment.

CIL has achieved 94% of the progressive target of ₹1,960 crore, set for April-June quarter of the ongoing fiscal.

Underscoring the intent on strengthening evacuation infrastructure like setting up rail sidings and corridors, coal handling plants, (CHP), silos and haul roads CIL's capex has risen to ₹504 crore on this account, the second highest among all capex heads. This is a quantum leap of 109% over the first quarter of FY21 when the capex spend on these infra projects was ₹241 crore.

"Our focus is to have a seamless coal evacuation process in future when production increases. We are gearing ahead for that. CHP/Silo loading will save us considerable expenses apart from having environment benefits," the company said.

"Rail sidings and lines are being dovetailed with CHPs and silos," he added.

CIL's aims to move around 415 MT of coal through mechanised means through 35 first mile connectivity projects by FY'24. Procurement of heavy earth moving machinery, plant and other machinery that would help in ramping up output through opencast (OC) mines continued to top the capex list at ₹670 crore during April-June 2021. Land acquisition accounted for ₹268 crore.

CIL has pegged its capex target at ₹17,000 crore for FY'22 which is a 28% increase over the actual capital expenditure of ₹13,284 during 2020-21.

During FY'21 CIL has exceeded even its revised capex target of ₹13,000 crore despite pandemic induced downward spiral, making it one of the few CPSUs of the country to have done so.

Of the entire targeted capex of FY22, evacuation infrastructure leads the list with more than one-third at nearly ₹5,950 crore.

Other major heads are HEMM, plant and machinery with ₹3,560 crore.